बोर्ड परीक्षा शुल्क 1500 और नामांकन शुल्क होगा 500

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने फीस में वृद्धि की, अभिभावकों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 18 फरवरी. प्रदेश में हाईस्कूल और इंटरमीडियट के शैक्षणिक सत्र 2026-27 से परिवार के अभिभावकों की जेब का बोझ बढ़ने वाला है. मंडल कार्यपालिका समिति की 27 जनवरी की बैठक के बाद बुधवार को जारी आदेश के अनुसार स्कूलों में आयोजित होने वाली सभी परीक्षाओं के लिए परीक्षा, नामांकन, संबद्धता और अन्य शुल्कों में नए बदलाव किए गए हैं.

माशिम ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से हाईस्कूल और इंटरमीडियट परीक्षाओं सहित नियमित विद्यार्थियों के लिए परीक्षा शुल्क 1500 रुपए और स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए 1600 रुपए निर्धारित किया गया है. जबकि नामांकन शुल्क 500 रुपए कर दिया गया है. वहीं डीएलएड परीक्षा के लिए नियमित विद्यार्थियों को सभी विषयों के लिए 7000 रुपए शुल्क देना होगा.

प्रमाण पत्रों की फीस 350 रुपए से बढ़ाकर 1000

नए आदेश में मार्कशीट, माइग्रेशन और प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि शुल्क में भी वृद्धि की गई है. जिसमें कई प्रमाण पत्रों की फीस 350 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपए तक कर दी गई है. जबकि परीक्षा फल घोषणा के तीन माह के अंदर माइग्रेशन में संशोधन करने पर किसी भी तरह का शुल्क नहीं देना होगा, लेकिन 3 माह बाद 600 और 1 वर्ष के बाद 1000 तक का शुल्क देना होगा.

मान्यता प्राप्त करने को भी बढ़ा शुल्क

हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की संबद्धता शुल्क में भी बढ़ोतरी कर दी गई है. जिसमें 10वीं के शासकीय स्कूलों को मंडल से नवीन मान्यता के लिए 20000 रुपए और अशासकीय स्कूलों को 22000 रुपए देने होंगे. जबकि 12वीं शासकीय स्कूलों को 27000 रुपए और अशासकीय स्कूलों को 30000 रुपए तय वहन करना पड़ेगा. वहीं डीएलएड के लिए पहली बार मान्यता लेने का शुल्क 2 लाख रुपए निर्धारित किया गया है.

पहले भी हुई वृद्धि, लेकिन इस बार भर ज्यादा

माशिम ने पहले भी साल 2018, 2020 और 2023 में परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी की थी. एक बार फिर शुल्क वृद्धि को लेकर छात्र संगठन एआइडीएसओ के राज्य काउंसिल सचिव नारायण चंदेल ने कहा कि माशिमं द्वारा हर प्रकार के शुल्क में की गई बढ़ोतरी को वापस लेना चाहिए. उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती फीस से किसान और मजदूर वर्ग के छात्र शिक्षा से वंचित हो सकते हैं. संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि निर्णय वापस नहीं लिया गया तो छात्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे.

होटल में महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर किया दुष्कर्म

भोपाल, 18 फरवरी. राजधानी के होटल में डॉक्टर पर महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप लगे हैं. यह घटना पांच दिन पहले की है, जिसकी शिकायत बुधवार को एमपी नगर थाने में की गई. आरोपी डॉक्टर ने एमपी नगर स्थित एक होटल में महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर घटना को अंजाम दिया.

आरोपी और पीड़िता दोनों ग्वालियर के रहने वाले हैं. आरोपी पीड़िता को भोपाल में इलाज के बहाने लाया था. शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. पुलिस ने बताया कि पीड़िता ग्वालियर में डॉ.अमरीश सेंगर से 7 महीने से चर्म रोग का उपचार करवा रही थी. पीड़िता का रोग उपचार के बाद भी ठीक न होकर बढ़ने लगा. तब डॉक्टर ने पीड़िता को भोपाल में जांच करवाने के लिए कहा. 14 फरवरी को डॉक्टर और पीड़िता मरीज भोपाल के एमपी नगर जोन टू स्थित एक होटल में ठहरे. जहां पर डॉक्टर के दुष्कर्म जैसी घटना को अंजाम दिया.

एक नजर में

दीनदयाल रसोई से लिए नमूने, जांच के लिए भेजे

भोपाल. राजधानी में बुधवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन के दल ने खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया. इस दौरान दल ने खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। खाद्य विभाग को काफी समय से शिकायतें मिल रही थी कि कुछ प्रतिष्ठानों पर मिलावटी खाद्य सामग्री बेची जा रही है. विभाग के दल ने करोंद चौराहा स्थित दीनदयाल रसोई से आलू मटर की सब्जी, गेहूं आटे की रोटी एवं पका चावल, डीके राजोरिया रेस्टोरेंट जेके रोड से तुअर दाल, मूंगदाल, चनादाल, सोयाबीन तेल, आईआईएसईआर केम्पस भौंरी स्थित मैस 5 के संचालनकर्ता फर्म आईएस औबेरोय से बेसन, मसूरदाल, चनादाल, तुअरदाल के नमूने लिये गए. सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया.

शिक्षा, कौशल और रोजगार से सशक्त होंगे युवा

भोपाल. पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट 2026-27 का स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास के मंत्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह बजट सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का दस्तावेज है.

विकास की भाषणबाजी की जा रही है : बरैया

भोपाल. प्रदेश सरकार के बजट को लेकर कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैयार ने कहा कि बजट के नाम पर धोखा है, विकास की भाषण बाजी की जा रही है. नौकरी का कोई निश्चित समय तय नहीं कर रहे हैं कि हम कब भर्ती करेंगे. पढ़ा लिखा डिग्रीधारी बच्चा कहां जाएगा. एससी के बजट की बात है तीस प्रतिशत से ज्यादा नहीं देरहे हैं. ओबीसी का बजट ढाई लाख करोड़ का होना चाहिए तो जो सिर्फ तीन सौ करोड़ से ज्यादा नहीं है. किसानों की बात करें तो इनके राज में तीन सौ रुपए की यूरिया की बोरी पांच सौ रुपए में बिकी.

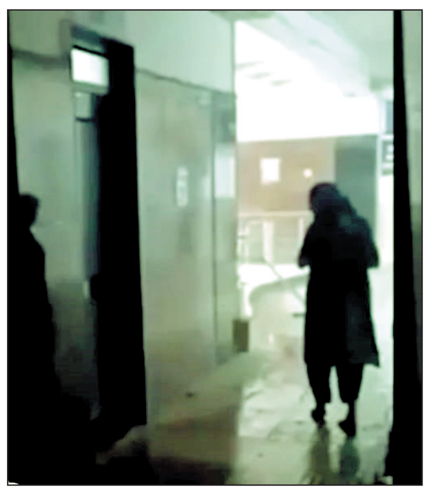

जेपी जिला अस्पताल के लैब स्टोर में आग, जनहानि नहीं

धुआं बढ़ा तो मौजूद मरीजों में हड़कंप मचा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 18 फरवरी. राजधानी के जय प्रकाश जिला अस्पताल में बुधवार सुबह करीब 11 बजकर 21 मिनट पर ओपीडी बिल्डिंग के पहली मंजिल स्थित लैब स्टोर में आग लग गई. पहले तो आग लगने की खबर किसी को नहीं हुई लेकिन जब बंद कमरे से धुआं बढ़ा तो बिल्डिंग में मौजूद मरीजों में हड़कंप मच गया.

इस दौरान लैब स्टोर में ताला लगा हुआ था, जिसकी चाबी मिलने में समय लगने पर गार्ड ने ताला तोड़ा और उसके बाद अस्पताल के कर्मचारियों के द्वारा आग पर फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से काबू पाया गया. बता दें अस्पताल प्रशासकों को आग लगने की स्पष्ट जानकारी करीब 12 बजे लगी, तब तक परिसर में धुआं फैल चुका था. आग लगने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई.

सिरिंज, सैंपल कलेक्टिंग उपकरण और दस्तावेज क्षतिग्रस्त

अस्पताल के जिस लैब स्टोर में आग लगी थी, वहां सिरिंज, सैंपल कलेक्टिंग उपकरण के साथ कई दस्तावेज और सामग्री रखी हुई थी. अस्पताल प्रशासन से के अनुसार आग लगने के स्टोर में रखी सामग्री क्षतिग्रस्त हुई है, लेकिन परिसर में किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई है. फ़िलहाल जांच के आदेश दे दिए गए, फिलहाल आग का कारण शार्टसर्किट बताया जा रहा है.

25 मिनट में काबू हुई आग

अस्पताल में मौजूद समय में मरीजों और कर्मचारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पहले तो हल्का धुआं तो समझ नहीं आया लेकिन फिर अचानक धुआं बढ़ने से कॉरिडोर में हलचल होनी शुरू हुई. मौके पर फायर ब्रिगेड को पहुंचने में समय लग रहा था, ऐसे में इंतजार करने पर आग बढ़ सकती थी. जिसको ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों द्वारा फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से करीब 25 मिनट में 8 कंटेनर से आग पर काबू पा लिया गया.

6 दिन की परीक्षा में दर्ज हुए 41 नकल प्रकरण

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 18 फरवरी. प्रदेश में चल रही बोर्ड परीक्षाओं में नकलची पकड़े जा रहे हैं. प्रदेश में 6 दिन की परीक्षा में 41 नकल पकड़ दर्ज हुए हैं. बुधवार को हाईस्कूल की परीक्षा के दौरान प्रदेश में कुल 10 नकलचियों को पकड़ा गया है.

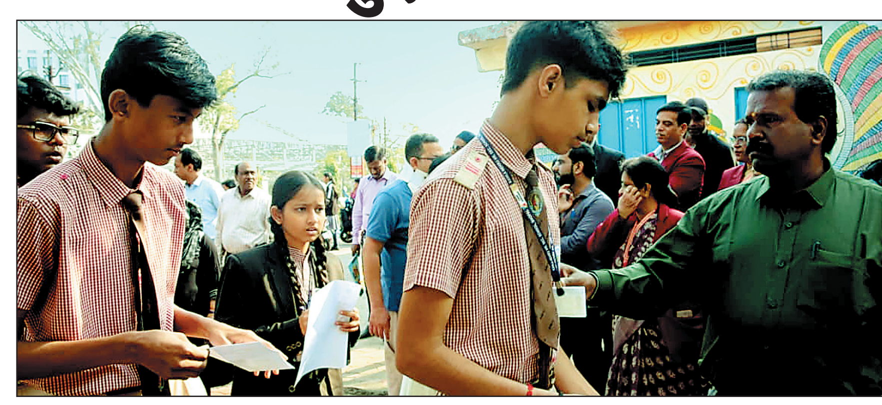

बता दें सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच रसायन शास्त्र, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एली ऑफ साइंस मैथमेटिक्स, एग्रीकल्चर, ड्राइंग एंड पेंटिंग, गृह प्रबंधन जैसे विषयों की परीक्षा आयोजित की गई थी. मंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार परीक्षा के दौरान मुरैना में 3, सागर में 3, रीवा में 1 और भोपाल में 3 नकल प्रकरण दर्ज किए गए. मंडल अधिकारियों ने बताया कि परीक्षाएं शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराई जा रही हैं. साथ ही परीक्षा केंद्रों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है ताकि विद्यार्थियों को निष्पक्ष माहौल मिल सके.

सख्ती जारी रहेगी

बोर्ड परीक्षा के दौरान रोजाना नकल के प्रकरण सामने आ रहे हैं. इससे पहले 17 फरवरी को 8, 13 फरवरी को 17 और 12 फरवरी को 6 नकल प्रकरण प्रदेश भर में दर्ज किये गये हैं. जिसके बाद अब 18 फरवरी के 10 नकल प्रकरणों को मिलाकर प्रदेश में 6 दिन की बोर्ड परीक्षाओं में अब तक कुल 41 नकल प्रकरण दर्ज किये जा चुके हैं. मंडल ने स्पष्ट किया है कि नकल के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और दोषियों पर नियमानुसार कदम उठाए जाएंगे.

निगम अमले ने हटाए अतिक्रमण

सामान जब्त कर की कार्रवाई

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 18 फरवरी. नगर निगम के अतिक्रमण अमले ने बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की. यह कार्रवाई शहर में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर की गई.

जिसमें कोलार रोड, मंदाकनी चौराहा, अमरनाथ कालोनी, सी.आई. कालोनी, खाटू श्याम मंदिर, डी-मार्ट, संस्कार गार्डन, कटारा हिल्स, एम्स हॉस्पिटल गेट नंबर 1 व 2, आईएसबीटी, नर्मदापुरम रोड, 10 नंबर, 11 नंबर, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, न्यू मार्केट, पलाष होटल, काटजू हॉस्पिटल, श्यामला हिल्स, जहांगीराबाद, शक्ति नगर, अयोध्या बायपास पास रोड, प्रभात चौराहा, परिक्रमा पार्क, सेमरा, चांदबड, कपड़ा मिल, अशोका गार्डन, पुष्पा नगर, हमीदिया हॉस्पिटल, रफीकिया स्कूल, सेफिया कॉलेज रोड, भोपाल टॉकीज आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों को हटाया.

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की नियमित सेवाएं शुरू

जानकारी...

- 26 फरवरी से अलीपुरद्वार से प्रत्येक गुरुवार को चलेगी
- मोबाइल ऐप या वेबसाइट की मदद से ले सकते हैं यात्री
- ट्रेन में 08 शयनयान सहित कुल 22 कोच होंगे.

भोपाल, 18 फरवरी. पश्चिम मध्य रेलवे ने सूचित किया है कि गाड़ी संख्या 11031/11032 पनवेल जंक्शन-अलीपुरद्वार जंक्शन -पनवेल जंक्शन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की नियमित सेवाएं शुरू हो रही हैं. पनवेल से यह ट्रेन 23 फरवरी 2026 से प्रत्येक सोमवार और अलीपुरद्वार से 26 फरवरी 2026 से प्रत्येक गुरुवार को चलेगी.

यह ट्रेन इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी और सतना सहित कई प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी. पनवेल से रवाना होने वाली गाड़ी 11:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 13:50 बजे अलीपुरद्वार पहुंचेगी.

वहीं, अलीपुरद्वार से रवाना होने वाली गाड़ी भोर 04:45 बजे चलकर अगले दिन सुबह 05:30 बजे पनवेल पहुंचेगी. ट्रेन में 08 शयनयान, 11 सामान्य श्रेणी, 2 एसएलआरडी और 1 पेंट्री कार सहित कुल 22 कोच होंगे. ठहराव कल्याण, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पाटलिपुत्र, सिलीगुड़ी और हासीमारा जैसे प्रमुख स्टेशनों पर होगा.

यात्री इस नई ट्रेन की नियमित सेवाओं का लाभ हेल्पलाइन 139, एनटीईएस मोबाइल ऐप या वेबसाइट की मदद से ले सकते हैं.

गंदगी फैलाने वालों पर 9 हजार का जुर्माना

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 18 फरवरी. नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने बुधवार को सार्वजनिक स्थान पर गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माने की कार्रवाई की. 9 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया.

जोन क्र. 15 के अमले ने वार्ड क्र. 62 के अंतर्गत कोकता क्षेत्र में सीएंडडी वेस्ट व कचरा ट्राली में भरकर सार्वजनिक स्थल पर फेंकने वाले राजकुमार लोधी, वार्ड क्र. 67 के अंतर्गत निजामुद्दीन कॉलोनी के रास्ते पर घर का सीएंडडी वेस्ट फेंककर रास्ता अवरूद्ध करने वाले व्यक्ति पर स्पॉट फाइन किया. इन दोनों कार्रवाई में नौ हजार रुपये जुर्माने की राशि वसूल की.

एम्स ने दिया जागरूकता का संदेश

कैंसर से पीड़ित और पढ़ाई में उत्कृष्ट बच्चों को किया सम्मानित

भोपाल, 18 फरवरी. एम्स भोपाल में अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस के अवसर पर उम्मीद और जागरूकता का संदेश दिया गया. इस अवसर पर बाल रोग विभाग के चिकित्सकों ने बताया कि समय पर पहचान और नियमित उपचार से बाल कैंसर को हराया जा सकता है.

एम्स से प्राप्त जानकारी के अनुसार देश में हर साल करीब 75 हजार बच्चों में कैंसर होता है. जिसको लेकर विशेषज्ञों ने बताया कि देर से अस्पताल पहुंचना और कई बार धार्मिक या वैकल्पिक उपचार से जुड़ी भ्रांतियां बच्चों की जान पर भारी पड़ती हैं. वहीं कई परिवार बीच में ही इलाज छोड़ देते हैं, जो सबसे बड़ी चुनौती है. बता दें एम्स की बाल ऑन्कोलॉजी क्लिनिक में पिछले सात वर्षों में 1250 बच्चों का पंजीकरण हुआ है. जिनमें वर्तमान में लगभग 300 बच्चे लंबे समय से उपचार ले रहे हैं. जबकि 200 से अधिक बच्चों ने सफलतापूर्वक उपचार पूरा कर सामान्य जीवन की ओर कदम बढ़ाया है.

बैठक जनगणना के लिए पहले दिन का कार्यक्रम संपन्न, कलेक्टर की अध्यक्षता में हुआ प्रशिक्षण

जनगणना कार्य डाटा की शुद्धता एवं पारदर्शिता से हो

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 18 फरवरी. राजधानी भोपाल में बृधवार से दो दिवसीय जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई. पहले दिन जनगणना 2027 को पूरी तरह से डिजिटल जनगणना प्रक्रिया, डाटा की शुद्धता एवं पारदर्शिता, प्रभावी कार्य प्रणाली एवं निगरानी व्यवस्था की जानकारी दी गई.

कलेक्टर कहा कि जिले में जनगणना का कार्य पूर्ण जनगणना विभाग के मापदण्डों, पारदर्शी होना चाहिए जिससे किसी भी तरह से कमी शिकायत शिकवा ना हो एवं जिम्मेदारी के साथ निर्धारित समय-में संपादित किया जाए, जिला स्तर पर मानव संसाधन, मकान सूचीकरण एवं दलों के गठन कर उनका प्रशिक्षण निर्धारित समय मे पूरा किया जाए.

बैठक में अपर कलेक्टर पी सी शाक्य, जिला जनगणना अधिकारी भुवन गुप्ता, एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर सहित समिति के सदस्यगण एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे. जनगणना कार्य निर्देशालय मध्यप्रदेश, सांख्यिकी अंवेषक एवं जिला प्रभारी सुनीता पुष्कर, जिला नोडल ऑफिसर सुरेंद्र रघुवंशी, जनगणना कार्य निदेशालय संयुक्त निदेशक नमित यादव, सहायक निदेशक ऐन्सी रेजी द्वारा प्रथम चरण मकान सूचीकरण के जिला स्तरीय प्रशिक्षण में प्रथम चरण (1 से 30 मई तक) में की जानी वाली आवश्यक कार्यवाही संबंधी प्रशिक्षण दिया.

स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना

स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी. इस जनगणना से गांव, शहर एवं वार्ड स्तर पर प्राथमिक आंकड़ों का सबसे बड़ा माध्यम है. देश में पहली बार जनगणना-2027 पूर्णत: डिजिटल होगी जिसमें नागरिकों को स्वयं गणना करने का विकल्प दिया गया है.

मोबाइल एच और वेब पोर्टस से होगा सूची करण

प्रशिक्षण में यह जानकारी दी गई कि जनगणना के आंकड़ों का संकलन स्व-गणना पोर्टल एवं मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा. मकान सूचीकरण ब्लॉक का सृजन एचएलबीसी वेब पोर्टल से तथा प्रबंधन एवं निगरानी सीएमएमएस वेब पोर्टल के माध्यम होगी. घर-सूचीकरण चरण में भवन उपयोग सहित 33 बिंदुओं पर जानकारी दर्ज की जाएगी.

चेहरा बदल कर नौकरी पाने की कोशिश

ऑनलाइन परीक्षा में धोखाधड़ी का मामला

भोपाल, 18 फरवरी. राजधानी में राजस्थान ग्रामीण बैंक की भर्ती परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की गई थी, जिसमें अभ्यर्थी के स्थान पर किसी दूसरे की परीक्षा देने और ज्वाइनिंग में दूसरे अभ्यर्थी का मामला सामने आया है.

इस बात की जानकारी ज्वाइनिंग और परीक्षा में ऑनलाइन शामिल हुए अभ्यर्थी के फोटो मिलान पर सामने आई. जिसमें दोनों के चेहरे अलग-अलग पाए गए. इस मामले की शिकायत राजस्थान ग्रामीण बैंक की शिकायत पर बिलखिरिया थाने दर्ज कर ली गई है.

प्रेस्टीज कॉलेज में हुई थी परीक्षा

पुलिस के अनुसार 16 सितंबर 2023 में बैंक द्वारा ऑल इंडिया लेवल पर ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की थी. भोपाल के बिलखिरिया स्थित प्रेस्टीज कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया था.

डिजिटल रिकॉर्ड भी खंगालना शुरू

पुलिस का कहना है कि परीक्षा के समय अपलोड फोटो और वर्तमान फोटो की तकनीकी जांच कराई जाएगी। इसके अलावा परीक्षा केंद्र से जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं.

परीक्षा देने और ज्वाइनिंग में दूसरे अभ्यर्थी का मामला

बैंक की शिकायत पर बिलखिरिया थाने दर्ज कर ली

बड़े गिरोह की आशंका

इस परीक्षा में किसी बड़े गिरोह के शामिल होने आशंका को लेकर जांच की शुरुआत की जा रही है. साइबर विशेषज्ञों की मदद से परीक्षा के दौरान उपयोग किए गए लॉगिन डाटा, आईपी एड्रेस और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की भी जाच की जाएगी.